ब्रह्मांड के बढ़ने और बिग बैंग सिद्धांत पर कुरआन

रेटिंग:

विवरण:

श्रेणी: लेख पवित्र क़ुरआन पवित्र क़ुरआन के वैज्ञानिक चमत्कार

श्रेणी: लेख सबूत इस्लाम सत्य है पवित्र क़ुरआन के वैज्ञानिक चमत्कार

द्वारा: Sherif Alkassimi (© 2008 IslamReligion.com)

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

हबल का नियम

हजारों वर्षों से खगोलविदों (एस्ट्रोनॉमर्स) को ब्रह्मांड से संबंधित बुनियादी सवालों में परेशानी हुई है। 1920 के दशक की शुरुआत तक यह माना जाता था कि ब्रह्मांड हमेशा से ही रहा है, और यह भी कि ब्रह्मांड का आकार एक समान है और यह बदलता नहीं है। हालांकि, 1912 में अमेरिकी खगोलशास्त्री वेस्टो स्लिफर ने एक ऐसी खोज की जिससे जल्द ही ब्रह्मांड के बारे में खगोलविदों की मान्यतायें बदल जाएगी। स्लिफर ने देखा कि आकाशगंगाएं काफी तेज गति से पृथ्वी से दूर जा रही थीं। इससे बढ़ने वाले ब्रह्मांड के सिद्धांत का पहला सबूत मिला।[1]

The_Quran_on_the_expanding_Universe_and_the_Big_Bang_theory_001.jpg
Image not found or type unknown

1608 में दूरबीन के आविष्कार से पहले मनुष्य ब्रह्मांड के बनने के बारे में आश्चर्य करने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकता था। (सौजन्य: नासा)

1916 में अल्बर्ट आइंस्टीन ने अपना सापेक्षता (रिलेटिविटी) का सामान्य सिद्धांत बनाया जिससे पता चला कि या तो ब्रह्मांड बढ़ता हुआ होना चाहिए या सिकुड़ता हुआ। बढ़ते हुए ब्रह्मांड के सिद्धांत की पुष्टि आखिरकार 1929 में प्रसिद्ध अमेरिकी खगोलशास्त्री एडविन हबल ने की।

आकाशगंगाओं से निकलने वाली प्रकाश तरंगदैर्घ्य में रेडशिफ्ट[2] को देखकर हबल ने पाया कि आकाशगंगाएं अपनी जगह पर स्थिर नहीं थीं; बल्कि ये वास्तव में पृथ्वी से उनकी दूरी के समानुपाती गति से दूर जा रहे थे (हबल का नियम)। इस अवलोकन का एकमात्र स्पष्टीकरण यह था कि ब्रह्मांड का विस्तार होना था। हबल की इस खोज को खगोल विज्ञान के इतिहास में की गई बड़ी खोजों में से

एक माना जाता है। 1929 में उन्होंने वेग-समय संबंध प्रकाशति कयिा जो आधुनकि ब्रह्मांड वज्ञिान का आधार है। आने वाले समय में, अधकि अवलोकनों के बाद बढ़ते हुए ब्रह्मांड के सद्धिांत को वैज्ञानकिों और खगोलवदिों ने समान रूप से स्वीकार कयिा।

See Explanation. Clicking on the picture will download the highest resolution version available.
Image not found or type unknown
The_Quran_on_the_expanding_Universe_and_the_Big_Bang_theory_003.jpg
See Explanation. Clicking on the picture will download the highest resolution version available.
Image not found or type unknown

हूकर टेलीस्कोप से हबल ने खोज की, कि आकाशगंगाएँ हमसे दूर जा रही हैं। ऊपर ज्ञात आकाशगंगाओं की तस्वीरें हैं। (सौजन्य: नासा)

लेकनि आश्चर्य वाली बात यह है कि टेलीस्कोप का आवष्किार होने से पहले और हबल का नयिम प्रकाशति होने से पहले, पैगंबर मुहम्मद अपने साथयिों को क़ुरआन का एक छंद सुनाते थे जसिमें कहा गया था कि ब्रह्मांड का वस्तिार हो रहा है।

“आसमान (स्वर्ग) को हमने हाथों से बनाया है और यक़ीनन हम इसको बढ़ाने वाले हैं।“ (क़ुरआन 51:47)

क़ुरआन के आने के समय "अंतरक्ष्कि" शब्द के बारे में कोई नहीं जानता था, और लोग पृथ्वी के ऊपर की चीज को "स्वर्ग" कहते थे। ऊपर के छंद में "स्वर्ग" शब्द का मतलब अंतरक्ष्कि और ज्ञात ब्रह्मांड है। यह छंद अंतरक्ष्कि यानि ब्रह्मांड के वस्तिार को बताता है, जैसा कि हब्बल के नयिम में बताया गया है।

क़ुरआन ने दूरबीन के आवष्किार से सदयिों पहले इस बात को बताया था, उस समय जब वज्ञिान की थोड़ी सी जानकारी को भी काफी माना जाता है। और सोचने वाली बात यह है कि उस समय के कई लोगों की तरह पैगंबर मुहम्मद भी अनपढ़ थे और इस तरह की बातों को वो खुद नहीं जान सकते थे। क्या ऐसा हो सकता है कि वास्तव में ब्रह्मांड को पैदा करने वाले और बनाने वाले से उन्हें यह दव्यि ज्ञान मलिा हो?

बगि बैंग सद्धिांत

अपने सद्धिांत को प्रकाशति करने के तुरंत बाद हबल ने पाया कि आकाशगंगाएं न केवल पृथ्वी से दूर जा रहे थे बल्कि वे एक दूसरे से दूर भी जा रहे थे। इसका मतलब यह था कि जसि तरह एक गुब्बारा हवा भरने पर फैलता है उसी तरह ब्रह्मांड भी हर दशिा में बढ़ रहा था। हबल की इन नयी खोजों ने बगि बैंग सद्धिांत की नींव रखी।

बिग बैंग सिद्धांत में कहा गया है कि लगभग 12 से 15 अरब साल पहले एक बेहद गर्म और घने केंद्र से ब्रह्मांड अस्तित्व में आया था, और इस केंद्र मे किसी वजह से विस्फोट हुआ जिससे ब्रह्मांड की शुरुआत हुई और तब से ब्रह्मांड इसी एक केंद्र से फैल रहा है।

1965 में रेडियो खगोलविदों (एस्ट्रोनॉमर्स) अर्नो पेनज़ियास और रॉबर्ट विल्सन ने एक ऐसी खोज की जिसने बिग बैंग सिद्धांत की पुष्टि की और इसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार मिला। उनकी खोज से पहले ये माना जाता था कि यदि ब्रह्मांड एक अत्यधिक गर्म केंद्र से अस्तित्व में आया था तो इस गर्मी का अवशेष होना चाहिए। पेनज़ियास और विल्सन ने इसी बची हुई गर्मी की खोज की थी। 1965 में पेनज़ियास और विल्सन ने 2.725 डिग्री केल्विन कॉस्मिक माइक्रोवेव बैकग्राउंड रेडिएशन (सी एम बी) की खोज की जो ब्रह्मांड में फैलता है। इससे यह माना गया कि पाया गया रेडिएशन बिग बैंग के प्रारंभिक चरणों का अवशेष था। इस समय बिग बैंग सिद्धांत को अधिकांश वैज्ञानिक और खगोलविद स्वीकार करते हैं।

Cosmic Background Explorer Data
Image not found or type unknown

ब्रह्मांड को बनाने वाले बिग बैंग के बचे हुए अवशेष का माइक्रोवेव मैप। (सौजन्य: नासा)

क़ुरआन मे इसका जिक्र है:

"वह (ईश्वर) आसमानों और ज़मीन को पैदा करने वाला है..." (क़ुरआन 6:101)

"क्या वो जिसने आसमानों और ज़मीन को पैदा किया, इसकी कुदरत नहीं रखता कि इन जैसों को पैदा कर सके? क्यों नही, जबकि वो माहिर बनाने वाला है। वो तो जब किसी चीज़ का इरादा करता है तो उसका काम बस ये है कि उसे हुक्म दे कि हो जा और वह हो जाता है।" (क़ुरआन 36:81-82)

ऊपर के छंद साबित करती है कि ब्रह्मांड की शुरुआत थी, इसको बनाने वाला ईश्वर है, और बनाने के लिए ईश्वर को सिर्फ यह कहना है की हो जा और वह हो जाता है। क्या यह इस बात का स्पष्टीकरण हो सकता है कि जिस विस्फोट से ब्रह्मांड की शुरुआत हुई वो कैसे हुआ?

क़ुरआन यह भी कहता है:

"क्या वो लोग जो इनकार करते हैं ये नही देखते कि आसमान और जमीन आपस मे जुड़े हुए थे, फिर हमने इन्हें अलग किया, और पानी से हर जिन्दा चीज पैदा की? क्या वो इसे नहीं मानते?" (क़ुरआन 21:30)

मुस्लमि वद्विान जन्हिोंने पछिले छंद का मतलब बताया है वो कहते हैं कि आसमान और जमीन एक समय जुड़े हुए थे, और फरि ईश्वर ने उन्हें अलग कर के सात आसमान और जमीन बनाया। फरि भी क़ुरआन के आने के समय (और आने वाली कई शताब्दयिों तक) वज्ञिान और टेक्नोलॉजी की कमी के कारण कोई भी वद्विान इस बारे में अधकि नहीं बता पाया कि वास्तव में आसमान और जमीन कैसे बने। वद्विान छंद में सर्फि अरबी के प्रत्येक शब्द का सही मतलब और साथ ही पुरे छंद का मतलब बता सकते थे।

पछिले छंद में अरबी के शब्द ????? और ????? का उपयोग हुआ है। ????? शब्द का अनुवाद "**इकाई** " "**सलिना**" "**एक साथ जुड़ा हुआ**" या "**बंद**" में कयिा जा सकता है। इन सभी अनुवादों का मतलब कसिी ऐसी चीज़ से है जो मलिा हुआ है और जसिका एक अलग और वशिेष अस्तत्वि है। क्रयिा ????? का अनुवाद "**हमने खोल दयिा**" "**हमने उन्हें अलग कर दयिा**" "**हमने अलग कर दयिा**" या "**हमने उन्हें खोल दयिा**" है। इनका मतलब है कि कोई चीज अलग करने और तोड़ने से अस्तत्वि में आती है। मट्टिी से एक बीज का अंकुरति होना क्रयिा ????? का एक अच्छा उदाहरण है।

बगि बैंग सद्धिांत के आने से मुस्लमि वद्विानों के लएि जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि इस सद्धिांत में जो बताया गया है वह क़ुरआन की सूरत 21 के छंद 30 में ब्रह्मांड के नर्मिाण के बारे में बताये गए ववरिण के साथ पूरी तरह मेल खाता है। इस सद्धिांत के अनुसार ब्रह्मांड की सभी चीजे एक अत्यंत गर्म और घने केंद्र से ही बानी है; इसमें वस्फिोट हुआ और ब्रह्मांड के बनने की शुरुआत हुई, जो इस छंद से पूरी तरह मेल खाता है जसिमे बताया गया है कि आसमान और जमीन (ब्रह्मांड) एक समय जुड़े हुए थे और फरि अलग हुए। ऐसा तभी मुमकनि हो सकता है जब ब्रह्मांड को बनाने वाले और पैदा करने वाले ईश्वर ने पैगंबर मुहम्मद को इसके बारे में बताया हो।

फुटनोट:

[1] पहले तीन मनिट: ब्रह्मांड की उत्पत्तकिा एक आधुनकि दृष्टकिोण, वैनबर्ग।

[2] जब कोई चीज रोशनी छोड़ती है तो वह स्पेक्ट्रम के लाल सरि की ओर वस्थिापति होती है। (http://bjp.org.cn/apod/glossary.htm)

इस लेख का वेब पता:

https://www.islamreligion.com/hi/articles/1560

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।